vinetur

इटली ने EU वाइन निवेश सहायता के लिए 2027 तक नियम तय किए

यह डिक्री उत्पादकों को हरित तकनीक, उपकरण और अन्य आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए सहायता मांगने की राष्ट्रीय प्रक्रियाएँ देती है।

गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026



इटली ने 2026 और 2027 में वाइन क्षेत्र में निवेश के लिए यूरोपीय संघ की सहायता लागू करने के नए राष्ट्रीय नियम अपनाए हैं, जिनमें स्थिरता, आधुनिकीकरण और नवाचार से जुड़ी वित्तीय सहायता का ढाँचा तय किया गया है।

यह उपाय 30 सितंबर को इतालवी आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित हुआ और इसे MASAF, यानी इटली के कृषि, खाद्य संप्रभुता और वानिकी मंत्रालय, ने जारी किया। यह डिक्री EU विनियम 2021/2115 के अनुच्छेद 58(1)(m) को लागू करती है और अगले दो वर्षों में वाइन क्षेत्र में मूर्त और अमूर्त स्थिर परिसंपत्तियों में निवेश के लिए इस हस्तक्षेप को इटली किस तरह लागू करेगा, इसे नियंत्रित करती है।

पाठ के अनुसार, सहायता उन निवेशों के लिए है जिनका उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार करना, तकनीकी नवाचार

को प्रोत्साहित करना, गुणवत्ता की रक्षा करना और इतालवी वाइन उत्पादों के मूल्य को मजबूत करना है। डिक्री यह भी कहती है कि वित्तीय योगदान का उपयोग उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण, कम पर्यावरणीय प्रभाव वाली तकनीकों की शुरुआत और, EU नियमों की सीमाओं के भीतर, क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने वाली परियोजनाओं को समर्थन देने में किया जा सकता है।

नए नियम उत्पादकों और अन्य पात्र संचालकों को सामान्य कृषि नीति के इस हिस्से तक पहुँच के लिए एक अधिक स्पष्ट कानूनी और प्रशासनिक ढाँचा देते हैं। डिक्री पात्रता मानदंड, आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, चयन की कार्यविधियाँ, और सहायता के वितरण व सत्यापन के नियम निर्धारित करती है। इसका मतलब है कि वाइनरी उन्नयन, उत्पादन प्रणालियों या अन्य योग्य परिसंपत्तियों के लिए सहायता चाहने वाले व्यवसायों के पास अब 2026 और 2027 अभियानों के लिए आवेदन तैयार करने हेतु आवश्यक राष्ट्रीय प्रक्रियाएँ हैं।

यह हस्तक्षेप भौतिक और अमूर्त, दोनों तरह के निवेशों को कवर करता है। व्यवहार में, इसका मतलब है कि यह सहायता केवल उपकरणों और सुविधाओं जैसे भौतिक सुधारों के लिए ही नहीं, बल्कि व्यवसाय के आधुनिकीकरण से जुड़ी अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए भी है। आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित सार में पात्र खर्चों के हर प्रकार की सूची नहीं दी गई है, लेकिन यह स्पष्ट किया गया है कि यह उपाय उत्पादन दक्षता को पर्यावरणीय लक्ष्यों और उत्पाद गुणवत्ता के साथ जोड़ते हुए, वाइन उद्योग के व्यापक संक्रमण का समर्थन करने के लिए बनाया गया है।

यह डिक्री ऐसे समय आती है जब यूरोप भर के वाइन उत्पादकों पर पर्यावरणीय प्रभाव कम करने, ऊर्जा और संसाधनों के उपयोग में सुधार करने और बदलती बाजार परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने का दबाव है। इटली में, जहाँ वाइन उद्योग एक प्रमुख कृषि और निर्यात क्षेत्र है, निवेश निर्णयों से जुड़ी सार्वजनिक सहायता इस बात को प्रभावित कर सकती है कि कंपनियाँ सेलर, प्रसंस्करण लाइनों, भंडारण प्रणालियों और डिजिटल उपकरणों के उन्नयन की दिशा में कितनी तेजी से आगे बढ़ती हैं। पेय क्षेत्र के लिए, और विशेषकर वाइन उत्पादकों के लिए, यह उपाय इसलिए महत्वपूर्ण होने की संभावना है क्योंकि यह कंपनियों को 2026 और 2027 में स्थिरता और परिचालन परिवर्तनों से जुड़े पूंजीगत व्यय की योजना बनाने का आधार देता है।

यह विनियमन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक EU नीति साधन को राष्ट्रीय परिचालन नियमों में बदलता है। EU कृषि कानून कानूनी आधार और व्यापक नीति लक्ष्य प्रदान करता है, लेकिन कंपनियाँ तभी धन तक पहुँच सकती हैं जब प्रत्येक सदस्य देश यह परिभाषित करे कि सहायता घरेलू स्तर पर कैसे काम करेगी। इस डिक्री के साथ, इटली ने अब वाइन-क्षेत्र हस्तक्षेप के इस हिस्से के लिए ऐसा कर दिया है, और अगले दो वर्षों के लिए क्षेत्रीय प्रशासनों और आवेदकों को एक औपचारिक संदर्भ बिंदु दे दिया है।

डिक्री की भाषा में स्थिरता पर जोर केंद्रीय है। इटली कहता है कि सहायता उन निवेशों के लिए है जो पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं, और वह स्पष्ट रूप से इस सहायता को कम-प्रभाव वाली तकनीकों को अपनाने से जोड़ता है। इसमें संसाधन उपयोग कम करने या उत्पादन प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण के लिए बनाए गए प्रोजेक्ट शामिल हो सकते हैं, हालांकि विस्तृत पात्रता और कार्यान्वयन नियम ही यह तय करेंगे कि हर कॉल या आवेदन अवधि में वास्तव में किसे वित्तपोषित किया जा सकता है।

पाठ इस उपाय को गुणवत्ता की सुरक्षा और इतालवी वाइन उत्पादों के संवर्धन से भी जोड़ता है। यह एक ऐसे बाजार में महत्वपूर्ण है जहाँ उत्पादक केवल मात्रा और कीमत पर ही नहीं, बल्कि उद्गम, गुणवत्ता मानकों और घरेलू तथा निर्यात चैनलों में उत्पादों को अधिक मजबूती से स्थापित करने की क्षमता पर भी प्रतिस्पर्धा करते हैं। CAP के तहत निवेश सहायता का अक्सर उपयोग व्यवसायों को ऐसे गुणवत्ता-संबंधी सुधार करने में मदद करने के लिए किया जाता है, साथ ही बड़ी परियोजनाओं का वित्तीय बोझ भी कम किया जाता है।

आवेदन प्रक्रियाओं, चयन नियमों, भुगतान तरीकों और नियंत्रणों को परिभाषित करके, डिक्री एक अनुपालन ढाँचा भी संकेतित करती है जिसका आवेदकों को कड़ाई से पालन करना होगा। सहायता में रुचि रखने वाले व्यवसायों को अपनी

परियोजनाओं को राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाना होगा और कार्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार खर्च का दस्तावेजीकरण करना होगा। नियंत्रण संबंधी प्रावधान विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि CAP-वित्तपोषित निवेश योजनाओं में आम तौर पर पात्रता, क्रियान्वयन और समर्थित परिसंपत्तियों के अंतिम उपयोग की जाँच की आवश्यकता होती है।

डिक्री विशेष रूप से 2026 और 2027 पर लागू होती है, जिससे क्षेत्र को सीमित लेकिन स्पष्ट योजना क्षितिज मिलता है। आधुनिकीकरण या पर्यावरणीय उन्नयन में निवेश करने के बारे में निर्णय ले रही कंपनियों के लिए यह समय-सीमा महत्वपूर्ण है। इससे वाइनरी और वाइन आपूर्ति शृंखला के अन्य संचालकों को यह आकलन करने में मदद मिलती है कि परियोजनाएँ इटली सरकार द्वारा EU ढाँचे के तहत स्थापित सहायता खिड़की में फिट बैठ सकती हैं या नहीं।